Series RLH/1

Set 3

कोड नं.
Code No. **4/1/3**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न

ने, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न
30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे
उत्तर नहीं लिखेंगे।

क्षा-II

ESSMENT-II

I

ब)

B)

[अधिकतम अंक : 90

[Maximum marks : 90

और घ।

है।

ए।

[P.T.O.

- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पह**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का सम
में 10:15 बजे किया जाएगा। 10:15 बजे से 10:
और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई

संकलित परी

SUMMATIVE ASS

हिन्दी

HIND

(पाठ्यक्रम

(Course

निर्धारित समय : 3 घण्टे]

Time allowed : 3 hours]

निर्देश: *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं – क, ख, ग*

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दी

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×6=12

चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए। लोकरक्षा और लोक-रंजन की सारी व्यवस्था का ढाँचा इन्हीं पर ठहराया गया है। धर्म-शासन, राज-शासन, मत-शासन – सबमें इनसे पूरा काम लिया गया है। इनका सदुपयोग भी हुआ है और दुरुपयोग भी। जिस प्रकार लोक-कल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्धि के लिए मनुष्य के मनोविकार काम में लाए गए हैं उसी प्रकार संप्रदाय या संस्था के संकुचित और परिमित विधान की सफलता के लिए भी। सब प्रकार के शासन में – चाहे धर्म-शासन हो, चाहे राज-शासन, मनुष्य-जाति से भय और लोभ से पूरा काम लिया गया है। दंड का भय और अनुग्रह का लोभ दिखाते हुए राज-शासन तथा नरक का भय और स्वर्ग का लोभ दिखाते हुए धर्म-शासन और मत-शासन चलते आ रहे हैं। इसके द्वारा भय और लोभ का प्रवर्तन सीमा के बाहर भी प्राय: हुआ है और होता रहता है। जिस प्रकार शासक-वर्ग अपनी रक्षा और स्वार्थसिद्धि के लिए भी इनसे काम लेते आए हैं उसी प्रकार धर्म-प्रवर्तक और आचार्य अपने स्वरूप वैचित्र्य की रक्षा और अपने प्रभाव की प्रतिष्ठा के लिए भी। शासक वर्ग अपने अन्याय और अत्याचार के विरोध की शान्ति के लिए भी डराते और ललचाते आए हैं। मत-प्रवर्तक अपने द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार के लिए भी कँपाते और डराते आए हैं। एक जाति को मूर्ति-पूजा करते देख दूसरी जाति के मत-प्रवर्तकों ने उसे पापों में गिना है। एक संप्रदाय को भस्म और रुद्राक्ष धारण करते देख दूसरे संप्रदाय के प्रचारकों ने उनके दर्शन तक को पाप माना है।

(क) लोकरंजन की व्यवस्था का ढाँचा किस पर आधारित है ? तथा इसका उपयोग कहाँ किया गया है ?

(ख) दंड का भय और अनुग्रह का लोभ किसने और क्यों दिखाया है ?

(ग) धर्म-प्रवर्तकों ने स्वर्ग-नरक का भय और लोभ क्यों दिखाया है ?

(घ) शासन व्यवस्था किन कारणों से भय और लालच का सहारा लेती है ?

(ङ) संप्रदायों-जातियों की भिन्नता किन रूपों में दिखाई देती है ?

(च) प्रतिष्ठा और लोभ शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×4=8

हे ग्राम-देवता नमस्कार ।
जन कोलाहल से दूर
कहीं एकाकी सिमटा-सा निवास,
रवि-शशि का उतना नहीं
कि जितना प्राणों का होता प्रकाश,
श्रम-वैभव के बल पर करते हो
जड़ में चेतनता का विकास
दानों-दानों से फूट रहे, सौ-सौ दानों के हरे हास
यह है न पसीने की धारा
यह गंगा की है धवल धार – हे ग्राम-देवता नमस्कार।
तुम जन-मन के अधिनायक हो
तुम हँसो कि फूले-फले देश,
आओ सिंहासन पर बैठो
यह राज्य तुम्हारा है अशेष,
उर्वरा भूमि के नए खेत के
नए धान्य से सजे देश,
तुम भू पर रहकर भूमि भार
धारण करण करते हो मनुज शेष,
महिमा का कोई नहीं पार
हे ग्राम-देवता नमस्कार ।।

(क) ग्राम-देवता को किसका अधिक प्रकाश मिलता है और क्यों ?

(ख) 'तुम हँसो' का क्या तात्पर्य है? गाँवों के हँसने का क्या परिणाम हो सकता है?

(ग) जड़ में चेतनता का विकास कौन करता है और कैसे ?

(घ) जन-मन का अधिनायक किसे कहा गया है ? उसके प्रसन्न होने का क्या परिणाम होगा ?

खंड 'ख'

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए - 1×4=4

(क) तुम मेरे मित्र हो मैं आपको भली-भाँति जानता हूँ।

(ख) तुम तुम्हारी पुस्तक ले आओ।

(ग) यहाँ लगभग कोई एक दर्जन लोग आ गए थे।

(घ) कश्मीर में अनेक दर्शनीय स्थल देखने योग्य हैं।

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - 1×3=3

(क) मैं ठीक समय पर पहुँच गया परंतु सुरेश नहीं आया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

(ख) गरजते बादलों में बिजली कौंध रही है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) जो परिश्रम करता है उसकी पराजय नहीं होती। (सरल वाक्य में बदलिए)

5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए - 1+1=2

रसोईघर, चंद्रमुख

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए- 1+1=2

आप पर बीती, महान है जो पुरुष

6. शब्द और पद में क्या अंतर है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 1+1=2

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए - 1+1=2

कीचड़ उछालना, मुट्ठी गरम करना।

खंड 'ग'

8. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 2+2+1=5

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं, पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं ? खुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें यही महत्व की बात है।

(क) व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग क्यों रहते हैं ?

(ख) महत्व की बात क्या है ? और क्यों ?

(ग) व्यवहारवादी और आदर्शवादी लोगों में क्या अन्तर है ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2+2+1=5

(क) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में समुद्र के गुस्से का क्या कारण था ? उसने अपना गुस्सा कैसे शांत किया ?

(ख) 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि सआदत अली कौन था ? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा ?

(ग) 'गिरगिट' पाठ के आधार पर लिखिए कि इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव ख्यूक्रिन पर क्यों झुंझला रहा था ?

10. ''हमें सत्य में जीना चाहिए, सत्य केवल वर्तमान है।'' 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' के इस कथन को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? 5

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2+2+1=5

(क) मैथिलीशरण गुप्त ने गर्वरहित जीवन बिताने के लिए क्या तर्क दिए हैं ?

(ख) बिहारी ने माला जपने और तिलक लगाने को व्यर्थ कहकर क्या संदेश देना चाहा है ?

(ग) 'कर चले हम फिदा' कविता में धरती को दुलहन क्यों कहा गया है ?

12. 'आत्मत्राण' कविता के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ? उसका संदेश स्पष्ट कीजिए। 5

13. 'सपनों के से दिन' पाठ में हेडमास्टर शर्मा जी की, बच्चों को मारने-पीटने वाले अध्यापकों के प्रति, क्या धारणा थी ? जीवन-मूल्यों के संदर्भ में उसके औचित्य पर अपने विचार लिखिए। 5

खंड 'घ'

14. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) युवाओं के लिए मतदान का अधिकार

- मतदान का अधिकार क्या और क्यों ?
- जागरूकता आवश्यक
- सुझाव

(ख) शिक्षक-शिक्षार्थी संबंध

- प्राचीन भारत में गुरु-शिष्य संबंध
- वर्तमान युग में आया अन्तर
- हमारा कर्त्तव्य

(ग) मित्रता

- आवश्यकता
- मित्र किसे बनाएँ
- लाभ

15. दूरदर्शन निदेशालय को पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि किशोरों के लिए देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले अधिकाधिक कार्यक्रमों को प्रसारित करने की ओर ध्यान दिया जाय। 5

16. विद्यालय परिसर के बाहर अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक खाद्य वस्तुएँ बेची जाती हैं और विद्यार्थी उस ओर आकृष्ट होकर उन वस्तुओं को खरीदते हैं। विद्यालय के छात्र प्रमुख के रूप में इन चीजों से दूर रहने की सलाह देते हुए एक सूचना लगभग 30 शब्दों में लिखिए। 5

17. शहर में आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से बचकर रहने के बारे में मित्र से हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। 5

18. नगर में होने वाले दशहरा मेला के अवसर पर स्वयंसेवी युवकों की आवश्यकता का एक विज्ञापन लगभग 25 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
				खंड 'क'	
1	1	2	1		
	(क)	(क)	(क)	भावों के विशेष संगठन पर लोकरंजन की व्यवस्था का ढाँचा आधारित है। धर्म, राज और मत-शासन में उसका उपयोग किया गया है।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	राजशासन ने। इसलिए दिखाया है ताकि लोगों द्वारा उनके अन्याय और अत्याचार का विरोध न हो।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	• अपने स्वरूप वैचित्र्य की रक्षा के लिए। • प्रभाव की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए।	1+1=2
	(घ)	(घ)	(घ)	अपनी रक्षा और स्वार्थ-सिद्धि के लिए।	2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	बाह्य आडंबर जैसे - मूर्ति पूजा करना, रुद्राक्ष धारण करना, भस्म लगाना आदि। कोई इनका विरोध करता है तो कोई इनका समर्थन।	2
	(च)	(च)	(च)	सम्मान लालच	1+1=2 12
2	2	1	2		
	(क)	(क)	(क)	आत्मशक्ति, आत्मविश्वास और श्रम का अधिक प्रकाश मिलता है। क्योंकि इन्हीं के बल पर वह जड़ को चेतन बनाता है।	1+1=2

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
	(ख)	(ख)	(ख)	किसान की खुशी, उसकी संतुष्टि। सारी धरती उपजाऊ हो जाएगी और खेतों में फसलें लहलहाएँगी। इससे देश समृद्ध और खुशहाल बनेगा।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	किसान (ग्राम-देवता) अपने परिश्रम से।	1+1=2
	(घ)	(घ)	(घ)	ग्राम-देवता (किसान) को। उसके प्रसन्न होने से देश खुशहाल और विकसित होगा।	1+1=2 8
				खंड 'ख'	
3	3	-	-	वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं। व्याकरणिक नियमों में बँधकर शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है, तब वह पद बन जाता है। उदाहरण - शब्द - रमा पद - रमा ने खाना खाया।	1+1=2
	-	3	-	व्याकरणिक नियमों में बँधकर शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है, तब पद कहलाता है। उदाहरण - छात्र (शब्द) उदाहरण - छात्रों ने पाठ पढ़ा। (पद)	1+1=2
	-	-	3	शुद्ध वाक्य	
	-	-	(क)	तुम मेरे मित्र हो, मैं तुम्हें भली-भाँति जानता हूँ।	1
	-	-	(ख)	तुम अपनी पुस्तक ले आओ।	1

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 1	2	3	उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक–विभाजन
	–	–	(ग)	यहाँ लगभग एक दर्जन लोग आ गए थे।	1
	–	–	(घ)	कश्मीर में अनेक दर्शनीय स्थल हैं। / कश्मीर में अनेक स्थल देखने योग्य हैं।	1
					4
4	4	4	4		
	(क)	(क)	(क)	संयुक्त वाक्य	1
	(ख)	(ख)	(ख)	बादल गरज रहे हैं और बिजली कौंध रही है।	1
	(ग)	(ग)	(ग)	परिश्रम करने वाले की पराजय नहीं होती।	1
					3
5	5	–	–		
	(क)	–	–	माता और पिता – द्वंद्व समास	½ +½ =1
				महान है जो पुरुष – कर्मधारय समास	½ +½ =1
					2
	(ख)	–	–	बाढ़पीड़ित – तत्पुरुष समास	½ +½ =1
				नीलगगन – कर्मधारय समास	½ +½ =1
	–	5	–		2
	–	(क)	–	देश और विदेश – द्वंद्व समास	½ +½ =1
				भारत का भाग्य – तत्पुरुष समास	½ +½ =1
					2
	–	(ख)	–	मिष्ठान्न – कर्मधारय समास	½ +½ =1
				मालगाड़ी – तत्पुरुष समास	½ +½ =1
					2

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक–विभाजन
	1	2	3		
	–	–	5		
	–	–	(क)	रसोई के लिए घर – तत्पुरुष समास	½ +½ =1
				चंद्रमा के समान मुख – कर्मधारय समास	½ +½ =1
					2
	–	–	(ख)	आपबीती – अव्ययी भाव समास	½ +½ =1
				महापुरुष – कर्मधारय समास	½ +½ =1
					2
6	6	–	–	शुद्ध वाक्य	
	(क)	–	–	गाय को सानी खिलाओ।	1
	(ख)	–	–	हमारी माताजी का आज व्रत है।	1
	(ग)	–	–	कृपया स्वीकृति दें। / स्वीकृति देने की कृपा करें।	1
	(घ)	–	–	लड़के घर चले गए।	1
					4
	–	6	–	शुद्ध वाक्य	
	–	(क)	–	आप जब बुलाएँगे, मैं अवश्य आऊँगा। / तुम जब बुलाओगे, मैं अवश्य आऊँगा।	1
	–	(ख)	–	मैंने कल ही उसे खबर की है।	1
	–	(ग)	–	वह कुत्ता पागल हो गया है।	1
	–	(घ)	–	तुम मुझे क्या समझाओगे?	1
					4
	–	–	6	<u>शब्द और पद में अंतर</u>	
				शब्द वाक्य की स्वतंत्र और सार्थक इकाई है जैसे – पुस्तक लेकिन	

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक–विभाजन
	1	2	3		
				जब शब्द व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त होता है, तब वह पद बन जाता है। जैसे – मैंने पुस्तकें पढ़ीं।	1+1=2
7	7	7	7	अर्थपूर्ण एवं उचित वाक्य पर अंक दिए जाएँ।	1+1=2
				खंड 'ग'	
8	8	10	9		
	(क)	(क)	(क)	मानव द्वारा समुद्री ज़मीन को हथियाना, निरंतर नई इमारतें बनाना और समुद्र का सिमटना। तीन समुद्री जहाजों को तीन विपरीत दिशाओं में फेंककर समुद्र ने अपना गुस्सा शांत किया।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	सआदत अली वज़ीर अली का चाचा और आसिफउद्दौला का भाई था, वह अंग्रेजों का समर्थक था। उसे अपना साम्राज्य छिनता नज़र आ रहा था इसलिए उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत समझा।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	ख्यूक्रिन की ज़िद ओचुमेलॉव की चापलूसी के उद्देश्य में बाधक बन रही थी।	1 5
9	9	8	10	• बीता समय वापस नहीं आता है। • बीते समय को याद करके दुखी होना उचित नहीं है।	

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
				• भविष्य को हमने देखा नहीं है। • उसकी कल्पनाओं में खोकर समय नष्ट करना व्यर्थ है। • वर्तमान ही सत्य है।	5
10	10 (क)	9 (क)	8 (क)	• स्वयं को दूसरों से आगे रखने के लिए। • लाभ / हानि का हिसाब लगाकर लाभ पाने के लिए।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	स्वयं आगे बढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी आगे ले चलें, यही महत्व की बात है। इसी में सबकी भलाई और समाज की उन्नति है।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	व्यवहारवादी केवल अपने बारे में सोचते हैं जबकि आदर्शवादी परोपकारी होते हैं।	1 5
11	11 (क)	11 (क)	11 (क)	• धन-संपत्ति तुच्छ वस्तु है। • हम सभी सनाथ हैं। ईश्वर सबके साथ है।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	माला जपने और तिलक लगाने से कोई भी काम सिद्ध नहीं होता। ये सब बाह्याडंबर हैं। बाह्याडंबरों को भूलकर सच्चे हृदय से ईश्वर की भक्ति करना।	2

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक–विभाजन
	1	2	3		
	(ग)	(ग)	(ग)	सैनिकों के रक्त से रँगी धरती लाल जोड़े में सजी दुलहन की भाँति दिखाई दे रही है।	1 5
12	12	12	12	• विपदाओं से भयभीत न हों। • किसी सहायक के न मिलने पर भी बल–पौरुष बनाए रखें। • लोगों द्वारा छले जाने पर भी मन से हार न मानें। • सुख के दिनों में भी ईश्वर को याद रखें। • ईश्वर के प्रति मन में कभी भी संदेह न रखें।	5
13	13	13	13	वे उसे गलत मानते हैं। • ऐसे अध्यापकों के विद्यालय में रहने से विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति अरुचि उत्पन्न होगी। • बच्चों का विकास बाधित होगा। • बच्चों के मन में अध्यापकों के प्रति अनादर का भाव उठेगा। • बच्चे हर समय भयभीत रहेंगे। (औचित्य के संबंध में बच्चों के विचार स्वीकार करें।)	5
				खंड 'घ'	
14	14	14	14	अनुच्छेद लेखन • विचारों की मौलिकता • प्रस्तुति	 2 2

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
15	15	15	15	पत्र लेखन	
				• प्रारूप	1
				• विषयवस्तु	3
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
16	16	16	16	सूचना लेखन	
				• प्रस्तुति	2
				• विचारों की मौलिकता	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
17	17	17	17	संवाद लेखन	
				• प्रस्तुति	2
				• विचारों की मौलिकता	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
18	18	18	18	विज्ञापन लेखन	
				• प्रस्तुति	2
				• विचारों की मौलिकता	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5